09 May 2022

Important News: India

1. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5)** के पांचवें दौर की राष्ट्रीय रिपोर्ट जारी की।
- उन्होंने वर्ष 2020-21 (31 मार्च, 2021 तक) के लिए **ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी प्रकाशन** भी जारी किया।

प्रमुख बिंदु

- इस रिपोर्ट में जनसंख्या, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और संबंधित क्षेत्र जैसे जनसंख्या की विशेषताऐं; प्रजनन क्षमता; परिवार नियोजन; शिशु और बाल मृत्यु दर; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य; पोषण और एनीमिया; रुग्णता और स्वास्थ्य देखभाल; महिला सशक्तिकरण आदि प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत जानकारी शामिल है।
- NFHS-5 सर्वेक्षण का कार्य देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 707 जिलों (मार्च, 2017 तक) के लगभग 6.37 लाख प्रतिदर्श परिवारों में किया गया है, जिसमें 7,24,115 महिलाओं और 1,01,839 पुरुषों को अलग-अलग करते हुए जिला स्तर पर पृथक संग्रह अनुमानों को प्रदान करने के लिए शामिल किया गया है।
- NFHS-5 महत्वपूर्ण संकेतकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो देश में सतत विकास लक्ष्यों (SDG) की प्रगति पर निगरानी करने में सहायक होते हैं।
- NFHS-4 (2015-16) अनुमानों का उपयोग बड़ी संख्या में SDG संकेतकों के लिए आधारभूत मूल्यों के रूप में किया गया था और NFHS-5 विभिन्न स्तरों पर लगभग 34 SDG संकेतकों के लिए डेटा प्रदान करेगा।

NFHS-5 राष्ट्रीय रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम- NFHS-4 (2015-16) से NFHS-5 (2019-21) तक की प्रगति:

- भारत ने हाल के दिनों में जनसंख्या नियंत्रण उपायों में उल्लेखनीय प्रगति की है।
- कुल प्रजनन दर (TFR), प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या, NFHS -4 और 5 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर 2.2 से 2.0 तक कम हुई है।
- समग्र गर्भनिरोधक प्रसार दर (CPR) देश में 54% से बढ़कर 67% हो गया है।

- भारत में संस्थागत जन्म 79 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगभग 87 प्रतिशत जन्म संस्थानों में होता है और शहरी क्षेत्रों में यह 94 प्रतिशत है।
- NFHS-4 में 62 प्रतिशत की तुलना में NFHS-5 में 12-23 महीने की उम्र के तीन-चौथाई (77%) से अधिक बच्चों का पूरी तरह से टीकाकरण किया गया।
- पिछले चार वर्षों से भारत में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग का स्तर 38 से 36 प्रतिशत तक मामूली रूप से कम हो गया है।
- 2019-21 में शहरी क्षेत्रों (30%) की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों (37%) के बच्चों में स्टंटिंग अधिक है।
- NFHS-5 सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में SDG संकेतकों में समग्र सुधार दर्शाता है।
- NFHS-4 और NFHS-5 के बीच, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन (44% से 59%) और बेहतर स्वच्छता सुविधाओं (49% से 70%) का उपयोग, जिसमें साबुन और पानी से हाथ धोने की सुविधा (60% से 78%) शामिल है) में काफी सुधार हुआ है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

2. सागरमाला परियोजनाएं

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में **राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति (NSAC)** की बैठक की अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने "तटीय जिलों के समग्र विकास" के लिए **सागरमाला कार्यक्रम** के अंतर्गत एक योजना तैयार की है।
- इस समिति ने एजेंडा के अन्य विषयों के अलावा पत्तन से जुड़ी सड़क और रेल कनेक्टिविटी परियोजना के विकास, फ्लोटिंग जेटी व अंतर्देशीय जलमार्ग के विकास की समीक्षा के साथ सागरमाला कार्यक्रम की समीक्षा की।
- इस बैठक में एक नई पहल **'सागरतट समृद्धि योजना'** के जरिए तटीय समुदायों के समग्र विकास पर भी चर्चा की गई।
- मंत्रालय ने अभिसरण मोड के अंतर्गत कुल 567 परियोजनाओं की पहचान की है, जिसकी अनुमानित लागत 58,700 करोड़ रुपये है।
- तटीय जिलों के समग्र विकास में पहचानी गई परियोजनाओं और सागरमाला परियोजना के अंतर्गत प्राप्त नई योजनाओं के प्रस्तावों के साथ, कुल परियोजनाओं की संख्या 1537 है और इन पर कुल 6.5 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी।

- सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत 5.5 लाख करोड़ रुपये लागत की 802 परियोजनाएं हैं, जिन्हें वर्ष 2035 तक कार्यान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति (NSAC) के बारे में:

- NSAC पत्तन आधारित विकास यानी सागरमाला परियोजनाओं के लिए नीति निर्देश व मार्गदर्शन प्रदान करने वाली शीर्ष संस्था है और यह इसके कार्यान्वयन की समीक्षा करती है।
- इसका गठन केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 13 मई, 2015 को किया गया था।

सागरमाला के बारे में:

- सागरमाला एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। 2014 में प्रधानमंत्री ने इसकी घोषणा की थी और 25 मार्च, 2015 को केंद्रीय कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और 14,500 किलोमीटर संभावित नौगम्य जलमार्गों की क्षमता का उपयोग करके देश में आर्थिक विकास को गति देना है।

स्रोत: PIB

3. प्रधानमंत्री मोदी ने 'जीतो कनेक्ट 2022' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के 'जीतो (JITO) कनेक्ट 2022'** के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

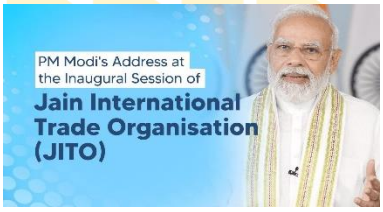

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री मोदी ने जैन समुदाय के युवाओं और जीतो की सराहना करते हुए उनसे लोकल के लिए वोकल होने की अपील की।
- उन्होंने 'EARTH– अर्थ' शब्द का अर्थ भी समझाया।
- उन्होंने कहा कि E का मतलब एनवायरमेंट यानि पर्यावरण है जहां व्यक्ति को उन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए जो पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं।
- उन्हें A, एग्रीकल्चर, यानि कृषि और प्राकृतिक खेती में निवेश करना चाहिए।
- R का अर्थ है रीसाइक्लिंग यानि पुनर्चक्रण और चक्रीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना।
- किसी को T के बारे में सोचना चाहिए, जिसका अर्थ है सभी के लिए टेक्नोलॉजी यानि प्रौद्योगिकी और H का अर्थ है हेल्थकेयर, यानि स्वास्थ्य देखभाल है।

जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) के बारे में:

- जीतो दुनिया भर में जैनियों को जोड़ने वाला एक वैश्विक संगठन है।
- जीतो कनेक्ट आपसी नेटवर्किंग एवं व्यक्तिगत बातचीत का एक अवसर प्रदान करते हुए व्यापार और उद्योग जगत की मदद करने का एक प्रयास है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

\

Important News: Science

4. ISRO ने वीनस के लिए मिशन योजना बनाई

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि **वीनस (शुक्र) मिशन** की कल्पना की गई है और एक परियोजना रिपोर्ट बनाई गई है।

प्रमुख बिंदु

- चंद्रमा और मंगल पर मिशन भेजने के बाद, ISRO अब सौर मंडल के सबसे गर्म ग्रह की सतह के नीचे क्या है, इसका अध्ययन करने के लिए शुक्र की कक्षा में एक अंतरिक्ष यान तैयार कर रहा है, और सल्फ्यूरिक एसिड बादलों के नीचे के रहस्यों को भी उजागर कर रहा है।
- अंतरिक्ष एजेंसी अपने प्रक्षेपण के लिए दिसंबर 2024 विंडो पर नजर रख रही है, जिसमें अगले वर्ष के लिए कक्षीय युद्धाभ्यास की योजना बनाई गई है, जब पृथ्वी और शुक्र को इतना संरेखित किया जाएगा कि अंतरिक्ष यान को न्यूनतम मात्रा में प्रणोदक का उपयोग करके पड़ोसी ग्रह की कक्षा में रखा जा सके।
- इसी तरह की अगली विंडो 2031 में उपलब्ध होगी।

शुक्र के बारे में:

- शुक्र सूर्य से दूसरा ग्रह है और इसका नाम प्रेम और सौंदर्य की रोमन देवी के नाम पर रखा गया है।
- चंद्रमा के बाद पृथ्वी के रात्रि आकाश में सबसे चमकीली प्राकृतिक वस्तु के रूप में, शुक्र छाया डाल सकता है और दिन के उजाले में नग्न आंखों को दिखाई दे सकता है।
- शुक्र हर 224.7 पृथ्वी दिनों में सूर्य की परिक्रमा करता है।
- भले ही बुध सूर्य के सबसे करीब है, शुक्र हमारे सौर मंडल का सबसे गर्म ग्रह है।

- इसका घना वातावरण ग्रीनहाउस गैस कार्बन डाइऑक्साइड से भरा है, और इसमें सल्फ्यूरिक एसिड के बादल हैं।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Environment

5. चक्रवात 'आसनी'

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** ने संकेत दिया कि **चक्रवात 'आसनी'**, 8 मई, 2022 तक एक अल्पकालिक चक्रवात बनने के लिए तैयार है और 10 मई तक आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और ओडिशा के भुवनेश्वर के बीच लैंडफॉल करेगा।

प्रमुख बिंदु

- IMD के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अभी तक चक्रवात से पश्चिम बंगाल को बड़े नुकसान की संभावना नहीं है।
- हालांकि, 10-13 मई को गंगीय पश्चिम बंगाल को प्रभावित करने वाली तेज हवाएं और 7-11 सेंटीमीटर की भारी बारिश की संभावना है।
- हालांकि, "इसमें कई परिवर्तन शामिल हैं, जिसमें बांग्लादेश की ओर चक्रवात पथ की पुनरावृत्ति की संभावना भी शामिल है, जो पश्चिम बंगाल तट को अधिक सीधे प्रभावित करने के लिए भी निर्धारित है"।

आसनी: यदि निम्न दबाव का क्षेत्र चक्रवात में विकसित हो जाता है, तो इसे आसनी कहा जाएगा, जो श्रीलंका के मौसम अधिकारियों द्वारा दिया गया एक नाम है। सिंहली में, आसनी का अर्थ 'क्रोध' है।

स्रोत: DTE

Important News: Award & Honours

6. सिंथिया रोसेनज़वेग को 2022 विश्व खाद्य पुरस्कार मिला

चर्चा में क्यों?

- वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक और NASA के गोडार्ड इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस स्टडीज, न्यूयॉर्क शहर में जलवायु प्रभाव समूह की प्रमुख **सिंथिया रोसेनज़वेग** को वर्ल्ड फ़ूड प्राइज़ फ़ाउंडेशन से **2022 विश्व खाद्य पुरस्कार** मिला।

प्रमुख बिंदु

- **विश्व खाद्य पुरस्कार** एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जिसकी कल्पना "खाद्य और कृषि के लिए नोबेल पुरस्कार" के रूप में की गई है, जिसका मिशन नवाचारों को बढ़ावा देना और सभी के लिए भोजन की गुणवत्ता, मात्रा और उपलब्धता को स्थायी रूप से बढ़ाने के लिए कार्रवाई को प्रेरित करना है।
- रोसेनज़वेग को उनके शोध के लिए जलवायु और खाद्य प्रणालियों के बीच संबंधों को समझने और भविष्य में दोनों कैसे बदलेगा, इसका पूर्वानुमान लगाने के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया था।

स्रोत: worldfoodprize.org

Important News: Books

7. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत-पाक युद्ध 1971- वायु योद्धाओं की याद' नामक पुस्तक का विमोचन किया

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में 37वें एयर चीफ मार्शल पीसी लाल स्मृति व्याख्यान में **'भारत-पाक युद्ध 1971- वायु योद्धाओं की याद'** नामक पुस्तक का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पुस्तक में उन दिग्गजों द्वारा लिखे गए 50 लेख शामिल हैं जिन्होंने अपने अनुभवों को विस्तार से साझा किया है।
- किताब का संपादन एयर मार्शल जगजीत सिंह और ग्रुप कैप्टन शैलेंद्र मोहन ने किया है।

नोट: राजनाथ सिंह ने एयर चीफ मार्शल पीसी लाल को भी श्रद्धांजलि दी, जो 1965 के युद्ध के दौरान वायु सेना के उप प्रमुख थे और उन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान 7वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Days

8. मई 08, विश्व थैलेसीमिया दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व थैलेसीमिया दिवस हर साल 8 मई को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- यह आयोजन पहली बार 1994 में थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन (TIF) द्वारा TIF के संस्थापक पैनोस एंगलज़ोस के बेटे जॉर्ज एंगलज़ोस की याद में आयोजित किया गया था। इस बीमारी से उनकी जान चली गई थी। तब से, यह आयोजन हर साल मनाया जाता है।

थैलेसीमिया:

- थैलेसीमिया एक रक्त विकार है जो बच्चों को उनके माता-पिता से विरासत में मिलता है।
- इस रोग में व्यक्ति के शरीर में हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

9. 07 मई, विश्व एथलेटिक्स दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व एथलेटिक्स दिवस हर साल 7 मई को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- इस दिन, **इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन (IAAF),** पूर्व में इंटरनेशनल एमेच्योर एथलेटिक फेडरेशन, को 'एथलेटिक्स फॉर ए बेटर वर्ल्ड' नामक एक सामाजिक जिम्मेदारी परियोजना के रूप में बनाया गया था।
- विश्व एथलेटिक्स दिवस की स्थापना 1996 में तत्कालीन IAAF अध्यक्ष प्रिमो नेबियोलो द्वारा की गई थी।

नोट: भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) भारत में एथलेटिक्स के लिए राष्ट्रीय शासी निकाय है। AFI की स्थापना 1946 में हुई थी। यह IAAF, भारतीय ओलंपिक संघ और एशियाई एथलेटिक्स संघ का सदस्य है।

स्रोत: इंडिया टुडे